सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 289 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 28 नवम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

यदि आप हर साल अपने द्वारा किये जाने वाले प्रयोगों को दोगुना कर दें तो आप अपनी आविष्कारशीलता को दोगुना कर लेंगे।

-जेफ बेजोस

जिद...सच की

शुभमन गिल होंगे गुजरात टाइटंस... 7 | तेलंगाना चुनाव में याद आए पीवी... 3 | वीपी सिंह ने पिछड़ों को अधिकार... 2

यूपी विधानसभा सत्र के पहले दिन अखिलेश ने योगी सरकार को घेरा

सिर्फ चार दिनों का सत्र रखने पर उठाए सवाल

» सपा मुखिया बोले- सरकार विपक्ष के सवालों से बचना चाहती है

» सीएम योगी ने सभी दलों से मांगा सहयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा का शीतकालीन सत्र आज शुरू हो गया। पहले दिन दिवंगत भाजपा विधायक को श्रद्धाजंलि दी गई। इससे पहले सत्र के प्रथम दिन सता पक्ष व विपक्ष में जमकर नोकझोंक हुई। पहले दिन सपा प्रमुख व पूर्व सीएम अखिलेश ने योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी जनता के सवाल उठाने पर रोक लगाना चाहती है।

सपा ने जातीय जनगणना व स्वास्थ्य के मुद्दे पर भाजपा को सदन में घेरा। यूपी विधानमंडल का शीतकालीन सत्र सुबह 11 बजे शुरू हुआ। वर्ष 2023 में यह विधानमंडल का तीसरा और अठारहवीं विधान सभा का छठवां सत्र है। इस सत्र में राज्य सरकार वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अनुपूरक बजट प्रस्तुत करेगी। विभिन्न अध्यादेशों के प्रतिस्थानी विधेयकों समेत कुछ अन्य विधेयकों को पारित कराएगी। भाजपा नेता सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि विपक्ष के लोगों को जनता ने सदन में चर्चा के लिए भेजा है लेकिन वो यहां प्रदर्शनकारी बनते हैं।

फोटोः सुमित कुमार

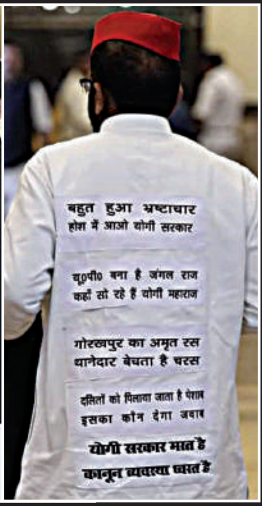

काले कपड़े पहनकर पहुंचा विपक्ष

विधानसभा का शीतकालीन सत्र नई नियमावली के साथ शुरू हो रहा है। सपा विधायकों ने इसका विरोध किया है और सदन में काले कपड़े पहनकर पहुंचे। वहीं सत्र के पहले ही दिन सपा विधायक जाहिद बेग साइकिल पर काला कपड़ा लेकर विधान भवन पहुंचे।

योगी व अखिलेश ने आशुतोष टंडन को दी श्रद्धांजलि

उत्तर प्रदेश विधानमंडल का चार दिवसीय शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है। सबसे पहले सदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित सभी सदस्यों ने भाजपा के दिवंगत नेता आशुतोष टंडन को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उनके निधन से हम सभी दुखी हैं। हम उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

विपक्ष सकारात्मक भूमिका निभाए : मुख्यमंत्री योगी

सत्र में सत्ता पक्ष ने विपक्ष को हर मुद्दे पर जवाब देने की रणनीति बनाई है तो विपक्ष ने भी सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है। सत्र प्रारंभ होने से पहले लोकभवन में भाजपा विधानमंडल दल की बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विधायकों को सदन में उपस्थित रहने और सकारात्मक चर्चा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष के आरोपों का तथ्यात्मक जवाब दें। बैठक में भाजपा के सहयोगी दलों के विधायक भी मौजूद रहे। निर्देश दिया गया है कि विधानसभा सत्र में मोबाइल बाहर रख दिया गया है अतः टीवी से ही अपडेट लेने का कष्ट करें।

सदन चलाने से भागती है भाजपा सरकार : शिवपाल

सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले ही भाजपा पर हमला बोला। शिवापाल ने कहा बिजली, पानी, सड़क, खेती -किसानी और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर असफल हुई सरकार, अब इतनी निःशब्द है कि सदन में भी संवाद नहीं करना चाहती। सदन चलाने से भागती यह भाजपा सरकार।

तेलंगाना में केसीआर पर वार के साथ थमेगा चुनाव प्रचार

» मतदान 30 नवंबर को, सभी दलों ने किए जीत के दावे

» राज्य की 119 सीटों पर होगा मुकाबला

» 2,290 उम्मीदवार मैदान में

» कांग्रेस व बीआरएस में सीधा मुकाबला, बीजेपी भी ताकत लगाने में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना में 30 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार मंगलवार की शाम 5 बजे तक चुनाव प्रचार थमेगा। इससे पहले अंतिम दिन सभी दलों ने जमकर प्रचार किया। सभी सियासी दलों ने अपनी-अपनी जीत के दावे किए। राज्य में 119 सीटों के लिए होने वाले मतदान के लिए 2,290 उम्मीदवार मैदान में हैं। प्रदेश में मुख्य मुकाबला कांग्रेस व बीआरएस में है। हालांकि भाजपा भी पूरी ताकत लगा रही लगा रही है। मुख्य प्रत्याशियों में बीआरएस प्रमुख और राज्य के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर), उनके पुत्र केटी रामा राव, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी और भाजपा के लोकसभा सदस्य बंदी संजय कुमार, डी अरविंद और सोयम बापूराव शामिल है। वहीं चुनाव प्रचार अभियान के दौरान भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस), कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सहित तमाम राजनीतिक दल सत्ता में आने के लिए पूरा दम लगाते हुए नजर आए। निर्वाचन आयोग द्वारा नौ अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के तारीखों की घोषणा के बाद राज्य में आर्दश आचार संहिता लागू हो गई थी।

फोटो-कॉन्सेप्ट

राहुल, खरगे व मोदी ने झोंकी ताकत

कांग्रेस के लिए राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे व प्रियंका गांधी ने अपने-अपने प्रत्याशियों के लिए वोमांगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रचार अभियान के दौरान हैदराबाद में रोड किया तथा एक दर्जन सभाओं को संबोधित किया। वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

केसीआर, कामारेड्डी और गजवेलसे अपनी किस्मत आजमाएंगे, वहीं रेवंत रेड्डी कोडंगल और कामारेड्डी से चुनाव लड़ेंगे। भाजपा ने अपने विधायक एटाला को हुजूराबाद के अलावा गजवेल से मैदान में उतारा, जहां वह मौजूदा विधायक हैं।

वीपी सिंह ने पिछड़ों को अधिकार और सम्मान दिलाया : अखिलेश

» कहा- जाति जनगणना है बहुत जरूरी

» पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा का लगना दक्षिण भारत के साथ-साथ उत्तर के लिए बड़ा संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री वीवी सिंह ने पिछड़ों को अधिकार और सम्मान दिलाने का काम किया था। वे सोमवार को चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज में पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया था।

इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कहा कि वीपी सिंह का साथ तमिलनाडु के वर्तमान मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, उनके पिता एम. करूणानिधि, यूपी से मुलायम सिंह यादव, बिहार से लालू प्रसाद यादव और शरद यादव सहित तमाम नेताओं ने दिया। अखिलेश ने कहा कि चेन्नई में प्रतिष्ठित प्रेसीडेंसी कॉलेज में पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की प्रतिमा का लगना दक्षिण भारत के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, बिहार और हरियाणा के लिए बड़ा संदेश है। यह वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भी बड़ा संदेश है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की सरकारों ने पिछड़ों को अधिकार नहीं दिया। दिल्ली की सरकारें निजीकरण की तरफ जा रही हैं। अगर सब कुछ निजी हाथों में चला जाएगा तो संविधान के अनुसार हक और सम्मान कैसे मिलेगा। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना के साथ सामाजिक न्याय के संघर्ष को उसके मुकाम तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में स्वर्गीय वीपी सिंह की पत्नी सीता कुमारी और उनके पुत्र अजेय सिंह भी मौजूद रहे।

मंडल का विरोध करने वाले ईडब्ल्यूएस आरक्षण लेने में आगे

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने जब मंडल कमीशन की सिफारिशें लागू की थीं, तब उन्हें जबरदस्त विरोध सहन करना पड़ा था। मंडल कमीशन के विरोध में पूरे देश में हिंसा और तोड़फोड़ की गई। उस समय जिन लोगों ने पिछड़ों के अधिकारों का विरोध किया था, वही लोग 10 प्रतिशत ईडब्लूएस आरक्षण लेने में सबसे आगे रहे। लेकिन, हम लोगों ने इसका कोई विरोध नहीं किया।

अगले माह टीएमसी प्रमुख ममता से मिलेंगे सपा प्रमुख

पांच राज्यों के चुनाव निपटने से पहले ही लोकसभा चुनाव के लिए उठा-पटक हो रही है। विपक्षी गठबंधन इंडिया में क्षेत्रीय दलों ने लामबंदी की कवायद शुरू कर दी है। इसी के तहत सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार शाम दो दिवसीय दौरे पर चेन्नई पहुंचे गए, जहां उन्होने पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के प्रतिमा अनावरण समारोह में भाग लिया। इस दौरान डीएमके नेता और तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन से वे मौजूदा राजनीतिक स्थितियों पर चर्चा किया। वह अगले माह अखिलेश पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी से भी मुलाकात कर सकते हैं।

फिर आमने-सामने आए एलजी व आप सरकार

» आपराधिक मामलों के लिए गठित स्थायी समिति को किया भंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आपराधिक मामलों में जांच की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए गठित मौजूदा स्थायी समिति को भंग कर दिया। इस समिति को आप सरकार ने गठित किया था। इस समिति में स्थायी और अतिरिक्त स्थायी वकील को जगह दी गई थी। इन्हें समिति का अध्यक्ष और सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। वहीं इस फैसले पर आप ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उसने कहा कि यह असंवैधानिक है। उपराज्यपाल कार्यालय के मुताबिक यह साल 2014 में सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार के निर्देशों का उल्लंघन है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने सात जनवरी 2014 को गुजरात राज्य बनाम किशन भाई के मामले में एक निर्देश दिया था।

इसमें कहा गया था कि प्रत्येक राज्य का गृह विभाग पुलिस और अभियोजन विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक स्थायी समिति का गठन करें। इन्हें जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी जाए। आप सरकार ने इस आदेश की अवहेलना करते हुए स्थायी वकील और अतिरिक्त स्थायी वकील को इसमें जगह दी।

लालू यादव ने की सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत : शिवानंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी ने भीम सम्मेलन के लिए बधाई देते हुए लालू यादव की सरकार की खूबियां बताईं। नीतीश कुमार ने रविवार को कहा था कि 2005 के पहले दलितों के उत्थान के लिए कोई ध्यान नहीं देता था। शिवानंद ने कहा कि नीतीश जी यह क्यों भूल जाते हैं कि इसी बिहार में कर्पूरी ठाकुर जैसे नेता को खुलेआम कैसी- कैसी गलियां दी गई थीं। बहुत हद तक वैसे दबे हुए समाज में लालू यादव मुख्यमंत्री बने थे।

वह समय था जब जाति से बड़े लोगों के सामने दलितों की कौन कहे, अधिकांश पिछड़ों को खटिया या कुर्सी पर बैठे रहने को उद्दंडता माना जाता था। बिहार के वैसे सामंती समाज में सरकार बनी तब लालू ने दलितों को लक्ष्य कर सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत की। उन्होंने कहा 1990 के मार्च में उन्होंने एक योजना की शुरुआत की।

नीतीश जी बेहतर आवास बनवाएं

लालू ने राजधानी में जिन दलित परिवारों को पक्के मकान में पहुंचाया था उनका परिवार अब बड़ा हो गया है। उनको पैर फैलाने की जगह नहीं मिल रही है। इसलिए हम तो नीतीश जी से नम्रतापूर्वक अनुरोध करेंगे कि उन आवासों को विस्तारित करें और उनसे बेहतर नए आवास का निर्माण कराएं।

बसपा को मिले बड़ा कार्यालय : उमाशंकर

» ऑफिस छोटा होने पर बसपा-कांग्रेस नाराज

» यूपी विधानसभा में अब छोटा केबिन मिलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में बसपा और कांग्रेस को कार्यालय की जगह अब केबिन आवंटित किया गया है। लंबे अरसे से विधानसभा में बसपा और कांग्रेस को बड़ा कक्ष आवंटित था। अब बसपा और कांग्रेस कार्यालय को मिलाकर सपा कार्यालय को बड़ा किया गया है। दोनों दलों को लोक दल, सुभासपा कार्यालय के पास केबिन आवंटित किया गया है। कार्यालय छीनने पर कांग्रेस और बसपा के नेताओं ने नाराजगी जताई है।

विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने कहा कि दोनों दलों के लिए नए ऑफिस बनाए जाएंगे। इस पर बसपा विधानमंडल दल के नेता उमाशंकर सिंह ने कहा कि इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर पार्टी के लिए कार्यालय आवंटित करने की मांग की जाएगी। फिलहाल पार्टी को एक छोटा केबिन दिया गया है। अध्यक्ष द्वारा कार्यालय देने का आश्वासन पूर्व में दिया गया था। उत्तर प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस के दो सदस्य है जबकि बसपा का एक सिर्फ एक ही सदस्य है। प्रदेश की 402 सदस्यीय विधानसभा में आराधना मिश्रा मोना व वीरेंद्र चौधरी कांग्रेस के सदस्य हैं। जबकि उमा शंकर सिंह बसपा के सदस्य हैं।

शाह पर टिप्पणी मामले में राहुल के खिलाफ 16 दिसंबर को होगी सुनवाई

लखनऊ। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में विचारण के लिए कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को तलब किया है। एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट योगेश कुमार यादव ने यह आदेश देते हुए 16 दिसंबर को अगली सुनवाई तय की है। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानिक का मुकदमा दायर किया था। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेस में राहुल गांधी ने यह टिप्पणी की थी।

उद्घाटन में नहीं बुलाते अधिकारी : वीके सिंह

» अपनी ही सरकार पर बरसे केंद्रीय मंत्री

» सीएम योगी से की शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और लोकसभा सांसद जनरल वीके सिंह ने अपनी ही राज्य सरकार के अधिकारियों पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने ने उत्तर प्रदेश के अधिकारियों की शिकायत राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की है। रिटायर्ड जनरल वीके सिंह ने शिकायत की है कि नागरिक निकायों के कुछ अधिकारी उन्हें निर्वाचन क्षेत्र में होने वाले शिलान्यास और उद्घाटन कार्यक्रमों में आमंत्रित नहीं करते हैं।

केंद्रीय मंत्री की इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए गाजियाबाद के जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी किया है। जिला प्रशासन ने इस बात को लेकर सख्त एक्शन लिया है। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है कि जनरल बी के सिंह अधिकारियों के व्यवहार से काफी परेशान है जिसकी शिकायत उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की है। डीएम ने नोटिस में अधिकारियों से यह सवाल भी किया है कि उद्घाटन बोर्ड पर संसद का नाम अंकित क्यों नहीं किया गया है। बता दें की सीन से सेवानिवृत्ति लेने के बाद जनरल सी के सिंह 2014 के भारतीय आम चुनाव में गाजियाबाद से सांसद बने थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के राज बब्बर को 567260 वोटो से हराया था। इसके बाद 2019 लोकसभा चुनाव में भी गाजियाबाद से उन्होंने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की थी। यूपी के अधिकारियों पर यह पहली बार आरोप नही लगा है। कई सांसद इससे पहले भी ऐसी शिकायत शीर्ष नेतृत्व को कर चुके हैं। गौरतलब हो कि सांसद वरुण गांधी व मेनका गांधी तो समय-समय पर अपनी ही सरकार के कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगाते रहे हैं। हालांकि सीएम ने अधिकारियों को ऐसा न करने का निर्देश दिए हैं।

अधिकारियों को भेजा कारण बताओ नोटिस

केंद्रीय मंत्री की शिकायत के बाद गाजियाबाद की जिला मजिस्ट्रेट आरके सिंह ने तत्काल एक्शन लिया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी कर दिया है। बता दें कि जिला मजिस्ट्रेट ने अधिकारियों से सांसद निधि से कराए जा रहे विकास कार्यों के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रमों में केंद्रीय मंत्री को आमंत्रित न किए जाने को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। संबंधित अधिकारियों को नोटिस का जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया गया है।

तेलंगाना चुनाव में याद आए पीवी नरसिंहाराव

बीआरएस ने लगाया कांग्रेस पर अपमान करने का आरोप

- » चुनाव प्रचार ने पकड़ी तेजी
- » चुनाव प्रचार में राहुल व प्रियंका को घेरा
- » शाह ने मथा तेलंगाना के जिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। राजस्थान में वोटिंग हो चुकी है। नेताओं की किस्मत वोटरों ने ईवीएम में कैद कर दिया है। अब आगामी 30 नवंबर को होने वाले तेलंगाना चुनाव के लिए प्रचार अभियान में तेजी ओ रही है। कांग्रेस व बीजेपी वहां की बीआरएस की केसीआर सरकार को घेरने में लगी है। तेलंगाना में राजनीतिक दांव-पेंच लगातार जारी है। भाजपा इस दक्षिण राज्य में अपनी ताकत लगा रही है। तो कांग्रेस भी अपनी सरकार बनाने के लिए आतुर दिख रही है। कांग्रेस तेलंगाना में अपनी संभावनाओं को तलाशने में जुटी हुई है।

इसी कड़ी में राहुल गांधी राज्य में लगातार पार्टी के लिए प्रचार कर रहे हैं और सत्तारूढ़ बीआरएस पर निशाना साध रहे हैं। इन सब के बीच तेलंगाना के मंत्री और बीआरएस विधायक केटी रामा राव ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कांग्रेस ने राज्य के दिग्गज नेता व पूर्व पीएम नरसिम्हा राव का अपमान किया उनका नाम मिटाने की कोशिश की है। बीआरएस उनके अपमान को मुद्दा बना सकती है। केटीआर ने दिवंगत पीएम पीवी नरसिम्हा राव का भी जिक्र किया। केटीआर ने दिवंगत पीएम पीवी नरसिम्हा राव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रियंका गांधी को दिवंगत पीएम पीवी नरसिम्हा राव के साथ हुए अन्याय के इतिहास के बारे में कोई जानकारी नहीं है। वह ऐसे व्यक्ति हैं जिनकी ओर हम सभी आदर करते हैं। वह धरती के पुत्र हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे विनम्र इंसान जिन्होंने जीवन भर कांग्रेस पार्टी की सेवा की, उन्हें पार्टी द्वारा इतने अपमानजनक तरीके से अपमानित किया गया। एक मौजूदा प्रधान मंत्री के रूप में, उन्हें 1996 में संसद सदस्य बनने के लिए पार्टी टिकट से वंचित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि मैं प्रियंका गांधी को यह भी याद दिला दूं कि उनके निधन के बाद, एआईसीसी प्रमुख ने उनके शरीर को 24 अकबर रोड कार्यालय पर लाने की भी अनुमति नहीं दी थी। उन्होंने कहा कि यह वाकई दुखद है कि प्रियंका गांधी को इस बारे में कोई जानकारी नहीं है... मैं मांग करता हूं कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पीवी परिवार से माफी मांगें।

बीआरएस ने भ्रष्टाचार के अलावा कोई उद्यम नहीं किया : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ये चुनाव तेलंगाना के लोगों और तेलंगाना राज्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। ये चुनाव इसका मार्ग प्रशस्त करने जा रहे हैं क्योंकि तेलंगाना का गठन एक लंबे संघर्ष की पृष्ठभूमि में हुआ था। उन्होंने कहा कि 10 साल बाद जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं तो पाते हैं कि कभी राजस्व रहे तेलंगाना पर अब लाखों-करोड़ों रुपये का कर्ज है।...आज युवा निराश है। किसान, दलित और पिछड़े निराश हैं और हर कोई तेलंगाना के भविष्य को लेकर सशंकित है। शाह ने कहा कि सभी पार्टियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के बाद वोट करें और मेरा मानना है कि जब राज्य के मतदाता ऐसा करेंगे तो वे भाजपा को चुनेंगे। उन्होंने कहा कि इन 10 वर्षों में, बीआरएस ने भ्रष्टाचार के अलावा कोई उद्यम नहीं किया, चाहे वह मिशन भगीरथ घोटाला हो, पासपोर्ट घोटाला हो, 4000 करोड़ रुपये का मियापुर भूमि घोटाला हो, कालेश्वरम परियोजना घोटाला हो, शराब घोटाला हो, ग्रेनाइट घोटाला हो। शाह ने कहा कि सभी पार्टियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के बाद वोट करें और मेरा मानना है कि जब राज्य के मतदाता ऐसा करेंगे तो वे भाजपा को चुनेंगे।

राहुल गांधी बेरोजगार हैं, 2014 में अपनी नौकरी खो दी

विधायक केटी रामा राव कहा कि राहुल गांधी आज बेरोजगार हैं क्योंकि उन्होंने 2014 में अपनी नौकरी खो दी थी। उन्होंने और उनकी पार्टी दोनों ने 2014 में अपनी नौकरी खो दी थी। इसलिए आज उन्हें बेरोजगारी याद आ गई। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि क्या राहुल गांधी ने कभी एक भी प्रवेश परीक्षा दी है? क्या उन्होंने प्राइवेट सेक्टर या किसी अन्य जगह पर एक दिन भी नौकरी की है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि केटी रामा राव ने बुधवार को कहा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। उनकी यह टिप्पणी विपक्षी दलों पर कांग्रेस के बी-टीम आरोप पर आई है। केटीआर ने यह भी कहा कि वह और उनकी पार्टी तेलंगाना में विधानसभा चुनाव को लेकर उत्साहित होने के साथ-साथ घबराई हुई भी हैं। केटी रामाराव ने कहा कि मुझे लगता है कि हम अपने पिछले रिकॉर्ड तोड़ने में सक्षम होंगे, खासकर क्योंकि राज्य के लोगों ने हमें पहले ही दो कार्यकाल दिए हैं, और वही ट्रेंडलाइन जारी है। हम पिछली बार की तुलना में अधिक जीतेंगे।

10 वर्षों में बीआरएस सरकार ने कुछ नहीं किया

10 वर्षों में, बीआरएस ने भ्रष्टाचार के अलावा कोई उद्यम नहीं किया, चाहे वह मिशन भगीरथ घोटाला हो, पासपोर्ट घोटाला हो, 4000 करोड़ रुपये का मियापुर भूमि घोटाला हो, कालेश्वरम परियोजना घोटाला हो, शराब घोटाला हो, ग्रेनाइट घोटाला हो। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस कार्यकर्ता 2बीएचके आवास योजना के लिए दलितों से पैसा इकट्ठा करते हैं। तेलंगाना के लोग इन सबके बारे में जानते हैं। उनका मानना है कि केसीआर की पार्टी बीआरएस ने घोटालों और भ्रष्टाचार के अलावा यहां कुछ नहीं किया। अमित शाह ने कहा कि मुझे विश्वास है कि तेलंगाना के जागरूक मतदाता अपना वोट डालने से पहले हर चीज़ का ठीक से विश्लेषण करेंगे और हर चीज़ की पृष्ठभूमि को ध्यान में रखेंगे। इसके बाद उनकी पसंद निश्चित रूप से कमल होगी, निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी होगी। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर हम तेलंगाना में धर्म आधारित आरक्षण की व्यवस्था खत्म कर देंगे। हम मुसलमानों के लिए 4ब आरक्षण को खत्म कर देंगे और इसके बजाय पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए इसे सुनिश्चित करेंगे। हम व्यवस्था ठीक करेंगे क्योंकि तेलंगाना की जनता केसीआर की तुष्टीकरण नीति से तंग आ चुकी है।

नोटा को हटाने को लेकर फिर बहस

- » लोगों ने उठाई मांग- विकल्प को ईवीएम से हटाये जाने पर विचार किया जाना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नोटा के लिए फिर एकबार बहस शुरू हो गई है। बहुत से लोग इसके प्रयोग को गलत मानते हैं। तो काफी संख्या में लोग इसके समर्थन में हैं। इसकेप्रयोग को सही मानते है। लागों का मानना है कि इससे नेताओं में डर रहता है कि अगर वह जनता के बीच में काम से नहीं पहचाने जाएंगे तो उन्हें कहीं नोटा से कम वोट ही न लि जाए।

दरअसल, पांच साल में एक बार मिलने वाले अवसर को नकारात्मक सोच या गैरजिम्मेदारी से खो देना किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र के महायज्ञ में प्रत्येक मतदाता को अपने मताधिकार का उपयोग कर मतदान करके अपनी आहुति देने का अवसर मिलता है। ऐसे में मतदान का बहिष्कार या फिर लापरवाही के कारण मतदान नहीं करना किसी अक्षम्य अपराध से कम नहीं कहा जा सकता है। वर्तमान परिदृश्य में नोटा प्रयोग भी मंथन का विषय होना चाहिए। नोटा के प्रावधान को लेकर पक्ष विपक्ष में अनेक तर्क दिए जा सकते हैं पर समय आ गया है कि उस पर बड़ी बहस हो और उसको अधिक प्रभावी या कारगर बनाने के प्रावधान किये जाये।

कई देशों में नोटा के प्रावधानों को हटाया

तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में उसकी कारगरता के अभाव के कारण नोटा के प्रावधान को हटाया जा चुका है। यों कहें कि कई देशों में नोटा के प्रावधानों को कारगर नहीं पाने के कारण हटा दिया गया है। अमेरिका की ही बात करें तो वहां नोटा का प्रावधान रहा है पर 2000 आते आते उसे हटा दिया गया। इसी तरह से रूस में 2006 और पाकिस्तान में 2013 में नोटा प्रावधान को हटाया जा चुका है। देश के प्रबुद्ध नागरिकों, बुद्धिजीवियों, राजनीतिक विश्लेषकों, कानूनविदों को नोटा को लेकर गंभीर बहस छेड़नी होगी जिससे नोटा को वास्तव में चुनावों में हथियार के रूप में उपयोग किया जा सके। आज की तारीख में बात करें तो नोटा केवल और केवल आपके विरोध को दर्ज कराने तक ही सीमित माना जा सकता है।

मतदान प्रतिशत न बढ़ना चिंता का विषय

एक दूसरी बात और जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। आजादी के 75 साल बाद और दुनिया की सबसे बेहतरीन चुनाव व्यवस्था के बावजूद मतदान प्रतिशत 90 से 100 प्रतिशत के आंकड़े को नहीं छूना चिंता का विषय है। आज हालात बदल चुके हैं। कोई भी किसी को मतदान के अधिकार से जोर जबरदस्ती या अन्य कारण से रोक नहीं सकता। भारतीय चुनाव आयोग की निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था को सारी दुनिया द्वारा सराहा जाता है और लोग इसका लोहा मानते हैं। इस सबके बावजूद मतदान का प्रतिशत कम होना गंभीर है। ऐसे में मतदान का बहिष्कार या मतदान नहीं करना जिम्मेदार मतदाता का काम नहीं हो सकता। पांच साल में एक बार आने वाले इस अवसर का उपयोग सकारात्मक सोच व उपलब्ध विकल्पों के आधार पर ही बेहतर तरीके से किया जा सकता है। इसलिए मतदान को अपना कर्तव्य समझ कर घर से बाहर निकलें और मताधिकार का उपयोग अवश्य करें यह सभी मतदाताओं के दिलोदिमाग में होना चाहिए।

दिन पर दिन घट रहा है नोटा का प्रयोग

राजस्थान के ही 2013 और 2018 के विधानसभा चुनावों का विश्लेषण किया जाए तो साफ हो जाता है कि 2013 के विधान सभा चुनावों में 4 करोड़ 8 लाख से अधिक मतदाताओं में से 5 लाख 89 हजार से कुछ अधिक यानी कि केवल 1.92 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। इसी तरह से 2018 के विधान सभा चुनावों का विश्लेषण किया जाए तो 4 करोड़ 77 लाख से कुछ अधिक मतदाताओं में से 4 लाख 67 हजार से कुछ अधिक यानी कि 1.3 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाकर विरोध दर्शाया। अब एक ओर 2018 में नोटा प्रयोग में कमी आई है तो इसके साथ ही नोटा अपने आप में नकारात्मकता को दर्शाता है। हालांकि आपने नोटा का प्रयोग कर यह संदेश दे दिया कि आपकी नजर में कोई भी उम्मीदवार खरा नहीं उतर रहा पर सोचने वाली बात यह भी है कि इनमें से कोई एक उम्मीदवार ही विजयी होगा। आपका नोटा का बटन जीत हार के अंतर को तो कम कर सकता है। नोटा के प्रयोग के स्थान पर उपलब्ध विकल्पों में से ही किसी एक को चुनना ज्यादा बेहतर माना जा सकता है। हालांकि एक समय था जब कई बूथों पर विरोध स्वरूप मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय कर लिया जाता था या फिर लोगों द्वारा उपलब्ध उम्मीदवारों में किसी को भी मत देने योग्य नहीं समझने के कारण विरोध का मत यानि कि नोटा के प्रयोग की मांग की जाती रही। नोटा का परिणाम प्रभावी तरीके से राइट टू रिजेक्ट होता तो अधिक कारगर होता।

सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा-मताधिकार जरूरी

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मतदान को लेकर की गई टिप्पणी भी इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि यदि हम मताधिकार का प्रयोग नहीं करते हैं तो फिर सरकार के खिलाफ किसी तरह की शिकायत करना उचित नहीं ठहराया जा सकता। कमोबेश यह सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी की भावना रही है और इससे साफ साफ संदेश हो जाता है कि सजग व जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रत्येक मतदाता का दायित्व हो जाता है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग करे। अब तो निर्वाचन आयोग ने मतदान सुविधाजनक भी बना दिया है। बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं को घर बैठे मतदान का अवसर प्रदान कर दिया है वहीं मतदाताओं के लिए जागरूकता अभियान से लेकर निष्पक्ष चुनाव के लिए कारगर कदम उठाये जाने लगे हैं। भले ही सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद ईवीएम में नोटा यानि कि नन ऑफ द अबव का प्रावधान कर दिया गया हो पर एक जागरूक व जिम्मेदार मतदाता के लिए नोटा के प्रयोग को समझदारी भरा निर्णय नहीं माना जा सकता। कारण साफ है नोटा का बटन दबाकर अपनी भावना तो व्यक्त कर सकते हैं पर उसका इस मायने में कोई अर्थ नहीं रहता कि किसी की जीत हार में उसका खास असर नहीं पड़ता।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

साइबर फ्रॉड से बचाने के लिए उठाने होंगे कदम

"वित्त मंत्रालय साइबर सुरक्षा से जुड़े मसलों पर बात करने के लिए अगले सप्ताह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मुख्य कार्याधिकारियों के साथ बैठक करेगा। इस महीने की शुरुआत में कोलकाता के यूको बैंक के साथ हुई 820 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी को देखते हुए यह बैठक की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि वित्त मंत्रालय ने पहले ही बैंकों से कहा है कि वे अपनी डिजिटल व्यवस्था और साइबर सुरक्षा से जुड़े कदमों की समीक्षा करें।"

जबसे डिजिटल बैंकिंग शुरू हुई है फ्राड भी खूब बढ़े हैं। साइबर ठगी का शिकार उपभोक्ता ही नहीं बैंकिंग सिस्टम भी होता है। अब सरकार इस पर गंभीर हुई है वह जल्द ही इस पर विचार करने जा रही है। बैंकों और ग्राहकों को साइबर फ्रॉड से बचाने के लिए अब केंद्र सरकार महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। वित्त मंत्रालय साइबर सुरक्षा से जुड़े मसलों पर बात करने के लिए अगले सप्ताह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मुख्य कार्याधिकारियों के साथ बैठक करेगा। इस महीने की शुरुआत में कोलकाता के यूको बैंक के साथ हुई 820 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी को देखते हुए यह बैठक की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि वित्त मंत्रालय ने पहले ही बैंकों से कहा है कि वे अपनी डिजिटल व्यवस्था और साइबर सुरक्षा से जुड़े कदमों की समीक्षा करें। मंत्रालय अब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के एमडी और सीईओ के साथ बैठक कर स्थिति की जानकारी लेगा।

दरअसल, दीपावली के दौरान यूको बैंक एक आईएमपीएस धोखाधड़ी से प्रभावित हुआ था, जिसमें यूको बैंक के कुछ खाताधारकों के खाते में 820 करोड़ रुपये जमा किए गए थे, जबकि किसी अन्य बैंक से कोई निकासी नहीं हुई थी। यूको बैंक इसमें से करीब 679 करोड़ रुपये या 79 फीसदी वापस लेने में सफल हुआ था, वहीं शेष राशि खाताधारकों ने निकाल ली। बैंक ने कहा कि 10 और 13 नवंबर के बीच इमीडिएट पेमेंट सर्विस से अन्य बैंकों के खातेदारों द्वारा कुछ लेन देन की पहल की गई, जिससे यूको बैंक के खाताधारकों के खातों में पैसे जमा हो गए, जबकि वास्तव में उन बैंकों से कोई धन प्राप्त नहीं हुआ।एहतियाती कदम उठाते हुए यूको बैंक ने आईएमपीएस व्यवस्था को ऑफलाइन कर दिया। साथ ही बैंक ने साइबर हमले सहित कर्जदाता की आईएमपीएस सेवा के कामकाज को किसी तरह से बाधित करने की कवायद की जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से संपर्क साधा। इस तरह की धोखाधड़ी कुछ अन्य सार्वजनिक बैंकों के साथ दो बार पहले भी हो चुकी है, लेकिन उसे गंभीरता से संज्ञान में नहीं लिया गया, क्योंकि इसकी राशि बहुत कम थी। साइबर सुरक्षा की जरूरतों का न्यूनतम साझा ढांचा तैयार किया जाना चाहिए, जिससे कि वित्तीय संस्थानों के लिए बेहतरीन गतिविधियां और मानक स्थापित हो सकें और इससे सभी संस्थानों को साइबर जोखिम से खुद को बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाने में मदद मिल सके। साइबर सुरक्षा मजबूत करनी चाहिए। रिजर्व बैंक ने कहा था कि इस तरह के व्यवधान से ग्राहकों और कारोबारियों को अपना धन पाने या सामान्य वित्तीय गतिविधियां संचालित करने में कठिनाई हो सकती है और बैंकिंग व्यवस्था से भरोसा खत्म हो सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

धनी देशों की मनमानी से गहराता संकट

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

वर्ष 2015 के पेरिस समझौते के अंतर्गत पृथ्वी के तापमान को शताब्दी के अंत तक पूर्व औद्योगिक काल के औसत से 2 डिग्री सेल्सियस से काफी नीचे रखने का लक्ष्य था। प्रयास अगर हो सके तो इसे 1.5 सेंटीग्रेड तक सीमित करना था। चिंताजनक यह है कि 2023 में तापमान औसत बड़ा ही है और 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड की यह सीमा भी टूटी है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस इस समय को जलवायु आपातकाल कहते हैं। दिल्ली सम्मेलन में भी गुटेरेस गत नौ सितम्बर, 2023 को संयुक्त राष्ट्रसंघ क्लाइमेट व एनवायरन्मेंट सेशन में चेता गये थे कि इस जलवायु आपदाकाल पर तुरंत काम किया जाना चाहिए। महासचिव लगातार कह रहे हैं कि अब और तेल निकालना बंद किया जाना चाहिए। नये तेल उत्पादन के लिये न तो लाइसेंस दिए जाएं और न ही फंडिंग की जानी चाहिए।

गत वर्ष जारी राष्ट्रसंघ की यूनाइटेड एमिशन गैप रिपोर्ट के अनुसार पेरिस जलवायु समझौता प्रभावी रहे, इसके लिए 23 अरब टन कार्बन डाइआक्साइड की कटौती जरूरी है। अभी विभिन्न देशों के राष्ट्रीय स्तर पर तय सारे उत्सर्जन कटौतियों के शपथों को जोड़ा जाये तो कुल उत्सर्जन कटौती दो से तीन अरब टन की ही आती है। देशों ने अपने-अपने उत्सर्जन कटौती लक्ष्य आखिरी बार 2020 में घोषित किये थे। अब उन्हें यह 2025 में करना है। विकसित देशों में भी जलवायु बदलाव के कारण अप्रत्याशित बेमौसमी, बाढ़े, लू के थपेड़े, तूफान आपदाएं आई हैं। किन्तु विकसित देश आज भी जीवाश्म ईंधनों के फेजआउट का समर्थन नहीं करते हैं। फेजडाउन की बात भी आधी-अधूरी ही होती है। अनुमानतः उत्तर के पांच मुख्य विकसित देश- अमेरिका, कनाडा इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया व नार्वे वो देश हैं जहां 2050 तक आधे से ज्यादा नये तेल व गैस के कुएं खोदे जायेंगे। भारत व चीन में भी तेल व कोयला दोहन बढ़ोतरी पर है। विश्व बैंक ने भी हाल में ही इंडोनेशिया की एक बड़ी कोयला परियोजना को धन मंजूर किया है।

पृथ्वी का तापमान लगातार वृद्धि पर है इसलिये फॉसिल फ्यूल्स रोकने को लेकर वैश्विक जन दबाव भी बढ़ रहा है। आज पूरे विश्व में लाखों क्लाइमेट एक्टिविस्ट सक्रिय हैं। विश्व के राजनेताओं पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण पूर्वी एशिया में जीवाश्म ईंधन के उपयोग पर पूर्ण पाबंदी की मांग को लेकर प्रदर्शन व रैलियां निकाल, नये तेल व गैस के कुओं के खोदने का विरोध किया गया। सबसे ज्यादा चर्चित प्रतिरोध न्यूयार्क के रहे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस द्वारा 20 सितम्बर, 2023 को यूएन मुख्यालय न्यूयार्क में आयोजित विशेष नई क्लाइमेट एम्बिशन समिट पर दबाव बनाने के लिए वहां 10 सितम्बर से ही मार्च टू एण्ड फॉसिल फ्यूल्स प्रदर्शन आरंभ हो गये थे। मिडटाउन व मैनहैटन में रैलियां हुईं। जो बाइडेन नये जीवाश्म ईंधन प्रोजेक्टों को अनुमति देने हेतु निशाने पर रहे।

17 सितम्बर को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के नगर न्यूयार्क में भी मार्च टू एण्ड फॉसिल फ्यूल्स आयोजित हुआ। इसको चार सौ वैज्ञानिकों व पांच सौ से ज्यादा संगठनों का समर्थन था। फिलहाल लग यही रहा है कि राजनेताओं पर इन दबावों का असर नहीं पड़ा। उलटे प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई हुई। 25 नवम्बर, 2022 को भी स्वीडन में युवकों ने अपनी संस्था अरोरा के माध्यम से प्रदर्शन करते हुए स्वीडन सरकार पर यह आरोप लगाया कि जलवायु विषयों पर कुछ नहीं कर रही है, एक मुकदमा भी दर्ज किया था। ऐसा उस देश की न्यायिक प्रणाली में पहली बार हुआ, इसमें ग्रेटा थुनबर्ग भी थीं। न्यूयार्क में क्लाइमेट एक्टिविस्ट ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र महासचिव भी अपनी नैतिक शक्ति का उपयोग कर राजनेताओं पर लगातार दबाव बढ़ा रहे थे। उन्होंने कहा कि नई क्लाइमेट एम्बिशन समिट में केवल वे ही नेता बोलेंगे जो पृथ्वी को बचाने के लिए गंभीर हैं। बड़े देशों को इस जलवायु विमर्श में आमंत्रित नहीं किया गया। इसमें चीन, अमेरिका व भारत सूचीबद्ध नहीं थे।

विकसित देश टेक्नोलॉजी और आर्थिक स्थितियों के कारण फॉसिल ऊर्जा को त्यागने की बेहतर स्थिति में हैं। किन्तु वे ऐसा करने को तैयार नहीं हैं। विकसित देशों की संवेदनहीनता देख महासचिव गुटेरेस ने इन देशों को पृथ्वी को तोड़ने वाला कहा था। पोप फ्रांसिस भी कई सालों से पृथ्वी के हित में नैतिक ताकत बने हुए हैं। पोप 2015 के पेरिस समझौते के पहले ही तेल कम्पनियों व एक्टिविस्टों को जलवायु आपातकाल के प्रति चेता चुके थे। गत 4 अक्टूबर, 2023 को पोप फ्रांसिस ने कहा कि दुनिया को जलवायु संकट से निपटने के लिए बहुत बड़े बदलावों को करना होगा। निःसंदेह, 30 नवम्बर से 12 दिसम्बर, 2023 तक बड़े तेल उत्पादक यूएई की मेजबानी में दुबई होने वाली कॉप-28 को लेकर एक्टिविस्टों की चिंता बड़ी है। यूएई तेल उपयोग कटौती के बजाय तकनीकों से इसके विस्तार का समर्थक है। अतः इसमें जीवाश्म ईंधनों पर रोक का निर्णय तो नहीं ही आयेगा।

गाजा में युद्धविराम के यक्ष प्रश्न

पुष्परंजन

मंगलवार रात को गाजा में लड़ाई रोके जाने पर सहमति बनी, बुधवार को घोषणा की गई कि गुरुवार सुबह से युद्ध को अस्थायी रूप से विराम दिया जाएगा। लेकिन लड़ाई रुकी नहीं, बल्कि और तेज होने लगी। युद्धविराम से पहले गाजा के सिटी सेंटर के जितना करीब संभव हो सके, इस्राइली सैनिकों के पहुंचने की कोशिशें तेज हो चुकी थीं। इस्राइली बलों को सेफ्टी कवर देते हुए हवाई बमबारी जारी रही। ऐसे में आप कैसे मान लेंगे कि सब कुछ आसान है, और नेतन्याहू की नीयत साफ है? नीयत दूसरी ओर भी साफ नहीं है। कतरी मध्यस्थों के माध्यम से हमास से जो स्पष्टीकरण अपेक्षित थे, आरम्भ में वो प्रतिक्रिया देने से चुप रहते थे। गुरुवार दोपहर को कतर विदेश मंत्रालय ने हमास की तरफ से हरी झंडी मिलने की बात कही। फिर तय हुआ कि संघर्ष विराम शुक्रवार सुबह 7 बजे शुरू होगा, और 13 इस्राइली बंदियों के पहले समूह को शाम 4 बजे रिहा किया जाएगा। इस सौदे में सबसे संदिग्ध चेहरा हमास नेता याह्या सिनवार बताया गया है, जिसके वादों पर भरोसा करना इस्राइली पक्ष के लिए मुश्किल है।

कुछ सैन्य इतिहासकार इसे अतीत के युद्धविराम से भिन्न मानते हैं। शुक्रवार सुबह 7 बजे तक का समय बढ़ाने और बंदूकों के गरजने से रोकने के पीछे यही रणनीति थी, कि गाजा के अधिकाधिक इलाके इस्राइली सैनिकों के हाथ में आ जाएं। इस थ्योरी को आगे बढ़ाने में इस्राइली लालफीताशाही ने भरपूर मदद की है। संघर्षविराम को दो बार स्थगित करने का एक कथित कारण यह था कि समझौते पर कतर और हमास द्वारा औपचारिक रूप से हस्ताक्षर नहीं किए गए थे, केवल आधिकारिक तौर पर घोषणा की गई थी कि युद्धविराम पर सहमति हो गई है। रिहा किए जाने वाले लोगों की सूची में नामों को स्पष्ट करने में भी लालफीताशाही की अपनी शरारत थी।

लगता है कि इस्राइली सैन्य कमान को बता दिया गया था कि युद्धविराम के आदेशों को जितना संभव हो, देर से लागू करो, इस बीच हमास प्रभावित इलाकों को हथियाते हुए आगे बढ़ो। दांत दिखाने और खाने के अंतर को आप यहां भी देख सकते हैं। 'आइए लड़ाई रोकें और लोगों का आदान-प्रदान करें', राजनेताओं के ऐसे बयान सुनिये, तो लगता है कि दुनियाभर की अपील काम कर गई है। इस शब्दजाल को इस्राइली सेना भी समझ रही थी, और दूसरी ओर हमास मिलिटेंट्स भी। कतर ने गुरुवार को घोषणा की थी, 'लड़ाई रुकने के ठीक नौ घंटे बाद, बंदियों का पहला जत्था शुक्रवार शाम 4 बजे रिहा किया जाएगा।' लेकिन युद्धक्षेत्र में शाम के समय बंदियों के आदान-प्रदान को सामान्यतः सुरक्षित नहीं माना जाता है। बंदियों के तबादले के बाद हमास के पास ह्यूमन शील्ड की संख्या कम पड़ती जाएगी, ऐसा भी लगने लगा है, क्योंकि ज्यादातर नागरिक दक्षिणी गाजा की तरफ शिफ्ट हो चुके हैं। आईडीएफ (इस्राइली डिफेंस फोर्स) के प्रवक्ता ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि विस्थापित फलस्तीनी नागरिक उत्तर की तरफ आने की हिमाकत न करें। इससे लगता है कि नार्थ का जो हिस्सा आईडीएफ के कब्जे में आ चुका है, उसे वो छोड़ने वाले नहीं। यों, 13 नवंबर की रिपोर्टों से पता चलता है कि उत्तरी गाजा में हमास की 10 बटालियनों को नष्ट कर दिया गया था। इसका मतलब है कि उनके कई कमांडर अब जीवित नहीं बचे हैं। गाजा में हमास की करीब 24 बटालियनें हैं। इन बटालियनों में 140 कंपनियों के होने का अनुमान लगाया जाता रहा है। एक कंपनी में आमतौर पर 100 लड़ाके होते हैं। 7 अक्टूबर को हमास के पास लगभग 30,000 लड़ाके थे। उनमें से कुछ इस्राइल पर हमला करते हुए मारे गए, कुछ को हिरासत में लिया गया है।

सैन्य विशेषज्ञ बताते हैं कि हमास मरीन कमांडो जैसी कई विशेष इकाइयों को समाप्त कर दिया गया है। हमास की मुख्य लड़ाकू इकाई बटालियन स्तर है। जिनमें टैंक रोधी मिसाइलें, स्नाइपर्स, रॉकेट और मोर्टार को एक्टिव करने वाले एक्सपर्ट व सैनिक शामिल हैं। ऐसा लगता है कि गाजा में हमास की कुछ बटालियनें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। गाजा शहर के उत्तर-पश्चिम में समुद्र तट के पास शिफा अस्पताल के आसपास भी आईडीएफ से लड़ाई में 200 हमास मिलिटेंट्स मारे गए, ऐसा वहां के जानकार बताते हैं। हमास के पास उत्तरी गाजा में अपने लड़ाकों को बदलकर नई कुमुक लाने का कोई रास्ता नहीं नजर आता है।

युद्धविराम के बाद संभव है कि वो स्वयं को चारों तरफ से घिरा हुआ महसूस करें। शिफा अस्पताल से लगी सुरंग बंद है। दूसरी सुरंगों से मिलने वाले रसद-गोले बारूद का कोई रास्ता नहीं है। हमास के लड़ाके ढीले पड़ने लगे हैं। दूसरी ओर लेबनान बॉर्डर पर हिजबुल्ला के ठिकानों पर इस्राइली हमले के पीछे यही रणनीति है कि उन्हें उलझाकर रखा जाए, ताकि वो हमास की मदद न कर पायें। हिजबुल्ला लीडरशिप लगातार ईरान के संपर्क में है। तेहरान के आक्रामक तेवर से यही लग रहा है कि युद्धभूमि को उसे शांत नहीं रखना है। ईरानी विदेशमंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियान ने गुरुवार को लेबनान में इस्लामी प्रतिरोध आंदोलन 'हिजबुल्ला' के महासचिव सैयद हसन नसरुल्लाह से मुलाकात की। ईरानी विदेशमंत्री ने अस्थाई युद्धविराम और बंदियों के आदान-प्रदान में अपनी रणनीति को हिजबुल्ला लीडरशिप से साझा किया। बाहर पत्रकारों को यही बयान दिया कि इस्राइल डरा हुआ है, जायोनी दुश्मन की पराजय निश्चित है। लेबनान की यात्रा पूरी करने के बाद ईरानी विदेशमंत्री कतर पहुंच गये हैं, जहां उन्होंने अपने समकक्ष से फलस्तीन युद्धभूमि के बदलते हालात पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

पेट में अल्सर

पेट में अल्सर एक आम गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्या है जो पेट के विभिन्न हिस्सों में हो सकती है। इसमें भी कई कारणों से लोग सीने में दर्द महसूस कर सकते हैं। इसमें सीने में दर्द की समस्या बैक्टीरियल इंफेक्शन या नॉनस्टेरॉइडल एंटी, इंफ्लेमेटरी ड्रग्स के सेवन के कारण भी हो सकती है। इसमें दर्द की समस्या कुछ खाने या खाली पेट रहने दोनों ही स्थितियों में हो सकती है।

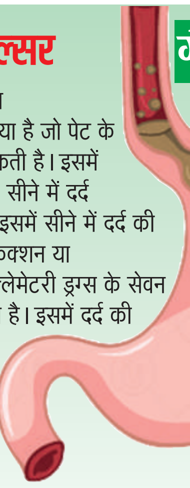

गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं

गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं जैसे कि आंत में सूजन,गैस्ट्रोएसोफेजियल रीफ्लक्स रोग, और आंतीय प्रदाह भी सीने में दर्द का कारण बन सकती हैं। यह सब पेट से जुड़ी समस्याएं हैं, जिसमें सीने के पेट के साथ चेस्टबोन में भी दर्द महसूस हो सकता है।

पेरिकार्डिटिस

पेरिकार्डिटिस से भी परेशान मरीज को बार-बार सीने में दर्द का सामना करना पड़ सकता है। यह एक ऐसी मेडिकल स्थिति है, जिसमें हार्ट के आसपास की टिशू में सूजन हो जाती है। यहां सुजन होने के कई कारण हो सकते हैं जैसे कि कोई इंफेक्शन। निगलने के दौरान दर्द, खांसने, लेटने या बड़ी सांस लेने से यह और खराब हो जाता है।

गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स

गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स डायजेस्टिव सिस्टम से जुड़ी एक समस्या है, जिससे प्रभावित होने पर सीने में दर्द की समस्या देखी जा सकती है। इसमें पेट का एसिड एसोफेगस में पहुंच जाता है। जिसकी वजह से सीने में जलन, और बेचैनी होने लगती है। एसिड रिफ्लक्स तब होता है जब पेट को अन्नप्रणाली से जोड़ने वाला वाल्व कमजोर हो जाता है। कमजोर होने से पेट का एसिड वापस भोजन नली में प्रवाहित होने लगता है।

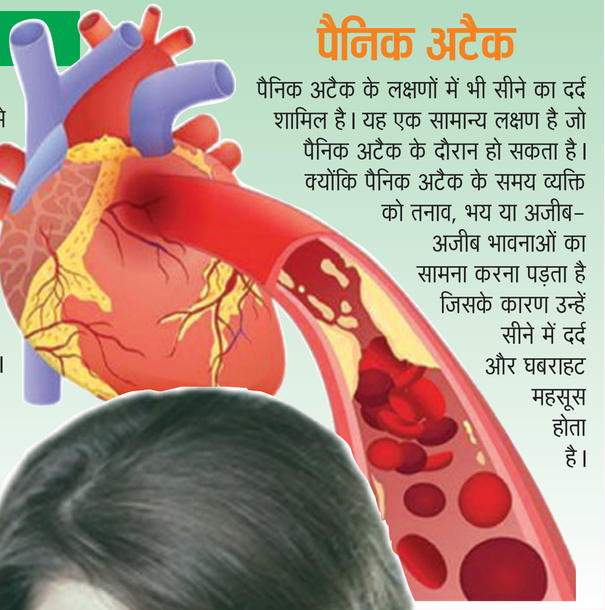

पैनिक अटैक

पैनिक अटैक के लक्षणों में भी सीने का दर्द शामिल है। यह एक सामान्य लक्षण है जो पैनिक अटैक के दौरान हो सकता है। क्योंकि पैनिक अटैक के समय व्यक्ति को तनाव, भय या अजीब-अजीब भावनाओं का सामना करना पड़ता है जिसके कारण उन्हें सीने में दर्द और घबराहट महसूस होता है।

बार-बार हो रहा सीने में दर्द सिर्फ ब्लॉकेज नहीं

सीने में दर्द एक ऐसी समस्या है जिसे लोग एसिडिटी की समस्या समझ कर इग्नोर भी कर देते हैं, लेकिन बार-बार सीने में दर्द कई मुख्य कारणों से हो सकता है और इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, विशेषकर अगर यह बार-बार हो रहा है। हमेशा सीने में दर्द बने रहना कई तरह की शारीरिक परेशानियों की ओर इशारा करता है। इसलिए अगर सतर्कता न बरती जाए तो अनजाने में कोई गंभीर बीमारी आप पर हावी हो सकती है। सीने में दर्द के यह कुछ सामान्य और गंभीर कारण से हो सकते हैं।

हार्ट अटैक

हार्ट अटैक का सबसे सामान्य लक्षण है सीने में दर्द या अंजाइना। हार्ट अटैक का मुख्य कारण आर्टरी में ब्लॉकेज है, जिसका कारण आपके हृदय को सही मात्रा में ब्लड नहीं मिल पाता है। हार्ट के टिशू में जब ब्लड फ्लो ब्लॉक होने लगता है, तो ऐसी स्थिति में सीने में दर्द की समस्या शुरू हो सकती है। सीने में दर्द मरीज में अटैक पड़ने के कुछ दिन पहले ही होने लगता है, कुछ लोगों में यह दर्द तेज और कुछ में धीमा हो सकता है। सब में इसके लक्षण अलग-अलग देखने को मिलते हैं। कुछ मरीजों में सीने में दर्द के साथ बाएं हाथ और कंधे में दर्द की समस्या भी देखी जाती है। जब दिल की मांसपेशियों तक खून की सप्लाई को फिर से बहाल करने में जितना अधिक समय लगता है, दिल की मांसपेशियों को उतना ही ज्यादा नुकसान पहुंचता है और मरीज के लिए खतरा भी उतना ही ज्यादा बढ़ जाता है।

गॉलब्लेडर की समस्या

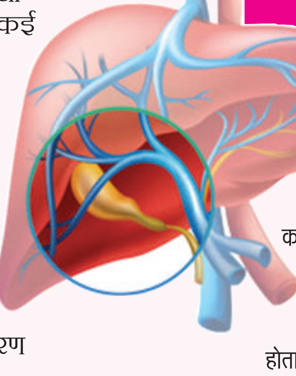

लिवर के नीचे एक छोटी सी थैली के रूप में पित्ताशय या गॉल ब्लैडर होता है जिसमें लिवर से निकला पित्त जमा होता है। यह पित्त गाढ़ा होकर पाचन तंत्र में पहुंचता है जो पाचन की क्रिया को आसान बनाता है। लेकिन कुछ परिस्थितियों में पित्ताशय यानी गॉल ब्लैडर में पथरी जमा होने लगती है, जिसे गॉल ब्लैडर स्टोन कहते हैं। गॉल ब्लैडर स्टोन में अचानक पेट में बहुत तेज दर्द होता है जो बार-बार करता है। जिन लोगों में गॉलब्लेडर की समस्या होती है, उनमें भी बार-बार सीने में दर्द की समस्या देखी जा सकती है।। वैसे तो गॉल्स्टोन की वजह से शुरुआती दौर में पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द होता है, लेकिन फिर यह धीरे-धीरे यह दर्द कंधे और ब्रेस्टबोन तक फैल जाती है।

हंसना मना है

बच्चा दादी के पास आया और बोला- दादी मां आप टें.. बोल कर दिखाओ, दादी- टें, बच्चा- फिर से बोलो टे, कितना बढ़िया बोलती हैं, आप मम्मी को क्यों नहीं सुना देतीं? दादी- क्या मतलब तेरी मम्मी को क्यों सुनाऊं? वह अपनीं सहेलियों से कह रही थीं, इसकी दादी पता नहीं कब टें बोलेंगी।

संता- इतनी देर से तुम क्या सोच रहे हो? बंता- जानते हो कल रात की आंधी में एक टी शर्ट मेरे घर आकर गिर गई। संता- तो इसमें क्या हुआ? बंता- सोच रहा हूं कि मैचिंग पैंट ले लूं या फिर एक और आंधी का इंतजार करूं।

पत्नी- जरा किचन से नमक लेते आना, पति- यहां तो कहीं नमक नहीं है, पत्नी- तुम तो हो ही कामचोर, एक काम ढंग से नहीं कर सकते, बस बहाने बनाते रहते हो... जिंदगी में कुछ तो काम करो। मुझे पता था कि तुम्हें नहीं मिलेगा, इसलिए पहले ही ले आई थी। अब कोई बताए इसमें पति कहां गलती है।

संता- तेरे घर से हमेशा हंसने की आवाज आती है, इतनी खुशी का राज क्या है? बंता- मेरी बीवी मुझे जूते मारती है, लग जाए तो वो हंसती है और नहीं लगे तो मैं हंसता हूं।

कहानी | कर्ण की युद्ध में धर्म-नीति निष्ठा

कर्ण कौरवों की सेना में होते हुए भी महान धर्मनिष्ठ योद्धा थे। भगवान श्रीकृष्ण तक उनकी प्रशंसा करते थे। महाभारत युद्ध में कर्ण ने अर्जुन को मार गिराने की प्रतिज्ञा की थी। उसे सफल बनाने के लिए खांडव वन के महासर्प अश्वसेन ने यह उपयुक्त अवसर समझा। अर्जुन से वह शत्रुता तो रखता था, पर काटने का अवसर नहीं मिलता था। वह बाण बनकर कर्ण के तरकस में जा घुसा, ताकि जब उसे धनुष पर रखकर अर्जुन तक पहुंचाया जाए, तो अर्जुन को काटकर प्राण हर ले। कर्ण के बाण चले। अश्वसेन वाला बाण भी चला, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने वस्तुस्थिति को समझा और रथ-घोड़े जमीन पर बिठा दिए। बाण मुकुट काटता हुआ ऊपर से निकल गया। असफलता पर क्षुब्ध अश्वसेन प्रकट हुआ और कर्ण से बोला- अबकी बार अधिक सावधानी से बाण चलाना, साधारण तीरों की तरह मुझे न चलाना। इस बार अर्जुन वध होना ही चाहिए। मेरा विष उसे जीवित रहने न देगा। इस पर कर्ण को भारी आश्चर्य हुआ। उसने उस कालसर्प से पूछा- आप कौन हैं और अर्जुन को मारने में इतनी रूचि क्यों रखते हैं? सर्प ने कहा- अर्जुन ने एक बार खण्डव वन में आग लगाकर मेरे परिवार को मार दिया था, इसलिए उसीका प्रतिशोध लेने के लिए में व्याकुल रहता हूं। उस तक पहुंचने का अवसर न मिलने पर आपके तरकस में बाण के रूप में आया हूं। आपके माध्यम से अपना आक्रोश पूरा करूंगा। कर्ण ने उसकी सहायता के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए वापस लौट जाने के लिए कहा- भद्र, मुझे अपने ही पुरुषार्थ से नीति युद्ध लड़ने दीजिए। आपकी अनीतियुक्त सहायता लेकर जीतने से तो हारना अच्छा है। कालसर्प कर्ण की नीति-निष्ठा को सराहता हुआ वापस लौट गया। उसने कहा- कर्ण तुम्हारी यह धर्मनिष्ठा ही सत्य है, जिसमें अनीतियुक्त पूर्वाग्रह को छद्म की कहीं स्थान नहीं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आपका काम में पूरा ध्यान लगा रहने वाला है। दांपत्य जीवन की बात करें, तो आपका दांपत्य जीवन आनंदमय बीतेगा। शादीशुदा के लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा।

तुला — आज आपके सामने आने वाली समस्या भावनात्मक तौर पर बहुत गंभीर और महत्वपूर्ण हो सकती है। परिवार के लिए कुछ अधिक खर्च कर सकते हैं।

वृषभ — आज के दिन आपके जीवन में विघ्न बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं। आज आपको जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइस गिफ्ट मिल सकता है।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहेगा। आज आपको भाइयों से संबंधित कष्ट होने की संभावना दिख रही है। आज आपके सामने कुछ अनावश्यक खर्च आएंगे।

मिथुन — पारिवारिक मामलों को लेकर आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ेगी। आज आप ऑफिस का काम समय से पूरा करने में सफल होंगे। भाई-बहन के रिश्ते बेहतर होंगे।

धनु — आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे।

कर्क — आज आप अधूरे पड़े कामों को पूरा करने के लिए समय निकालने में सफल रहेंगे। संतान की चिंता से तनाव रह सकता है। रुके हुए काम पूरे होंगे।

मकर — नवयुवकों को प्रेम संबंधों में सफलता प्राप्त होगी। आज पेट संबंधी परेशानी हो सकती है, इसलिए आपको खाने में शुद्धता देखनी होगी। आपका प्रिय आपके लिए कुछ कर सकता है।

सिंह — आज आप अपनी कमाई का कुछ हिस्सा अपनी शान शौकत के लिए भी व्यय करेंगे, जिसे देखकर आपके परिवार के सदस्य भी आपसे ईर्ष्या करेंगे।

कुम्भ — आज के दिन आप अपने भविष्य की कुछ नई योजनाओं को लेकर लोगों से विचार-विमर्श कर सकते हैं, जिसमें आपको अपनी पत्नी व संतान के साथ की आवश्यकता होगी।

कन्या — ऑफिस में सभी लोगों के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। आप शाम को किसी समारोह में शामिल होंगे। किसी पुराने मित्र से मिलकर आपका मन प्रसन्न होगा।

मीन — आपको किसी खास काम में अनुभवी व्यक्ति से मदद मिलेगी। परिवार के साथ मूवी देखने का प्लान बनाएंगे। आपको किसी तरह की पुरानी बातों पर ज्यादा ध्यान देने से बचना चाहिए।

बॉलीवुड | मन की बात

'एनिमल' में मुझे बेरोजगारी के दिन काम मिला : बॉबी

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म एनिमल का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। बीते दिन गुरुवार, 23 नवंबर को फिल्म का धांसू ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसे देखने के बाद से फैंस का उत्साह और बढ़ गया है। ट्रेलर में रणबीर कपूर के साथ-साथ बॉबी देओल का भी खूंखार अवतार देखने को मिला। वहीं दिल्ली में आयोजित फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बॉबी देओल ने खुलासा किया कि उन्हें यह भूमिका कैसे मिली। बॉबी ने कहा, मुझे काम ही नहीं मिल रहा था, लगा नहीं था कि ऐसा किरदार मुझे मिल सकता है। एक दिन मुझे संदीप रेड्डी वांगा का मैसेज आया। उन्होंने कहा कि मैं आपसे मिलना चाहता हूं तो मैंने बोला यार क्या यह सच है वे असली संदीप ही हैं या कोई मस्ती तो नहीं कर रहा? मैंने पता किया तो पता चला कि यह तो संदीप रेड्डी वांगा ही हैं। मैंने तुरंत फोन लगाया और कहा कि चलो मिलते हैं। बॉबी देओल ने आगे बताया कि हम मिले उन्होंने मुझे एक तस्वीर दिखाई। उनके पास एक फोटो थी, जब मैं ज्यादा कुछ काम नहीं कर रहा था, लेकिन मैं सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग खेलता था। वहां एक फोटो खिंच गई थी, जहां मैं कहीं दरवाजा ढूंढ रहा था। उन्होंने तस्वीर दिखाते हुए कहा कि मैं आपको इसके लिए फिल्म में लेना चाहता हूं, क्योंकि आपकी यह जो फोटोग्राफ है, इसमें जो आपकी अभिव्यक्ति है, वो मुझे चाहिए। मैंने कहा चलो बेरोजगारी के दिन काम आ गए। एनिमल में बॉबी देओल खलनायक के किरदार में नजर आएंगे। बॉबी के इस लुक ने उनकी खलनायकी में चार चांद लगा दिए हैं। ट्रेलर में बॉबी की बहुत छोटी सी झलक दिखाई गई है, लेकिन वही ट्रेलर में जान डालने के लिए काफी है। ट्रेलर में देखने को मिला था कि अपने पिता अनिल कपूर के प्यार में रणबीर कपूर जानवर बन जाते हैं, जिसके बाद उनका मुकाबला बॉबी देओल से होता है।

संजना सांघी ने जारी किया कड़क सिंह से अपने किरदार का पोस्टर

पंकज त्रिपाठी की फिल्म कड़क सिंह का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। फिल्म का ट्रेलर आरएफएफआई गोवा में लॉन्च किया गया था। ट्रेलर में दिखाए गए रहस्य ने प्रशंसकों को हैरान कर दिया है। फिल्म में संजना सांघी भी हैं और आज उन्होंने अपने किरदार साक्षी का परिचय अपने सोशल मीडिया हैंडल पर दिया। उन्होंने अपने किरदार का एक पोस्टर जारी किया।

संजना ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, आज इस पोस्टर को आप सभी के साथ साझा करना बिल्कुल अवास्तविक लग रहा है। जिस समय निर्माताओं ने मुझे साक्षी और कड़क सिंह की दुनिया के बारे में बताया तो मुझे अटूट विश्वास था कि मैं उसे जीवंत कर पाऊंगी और तुरंत ऐसा महसूस हुआ जैसे कड़क सिंह एक यात्रा बनने जा रही है। वह मेरे भीतर कुछ बदलाव लाने वाला था। मैं आप सभी से उसकी और हमारी दुनिया से मुलाकात का इंतजार नहीं कर सकती।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि कहानी पंकज त्रिपाठी के किरदार एके श्रीवास्तव के इर्द-गिर्द घूमती है, जो वित्तीय अपराध विभाग में काम करते हैं। उन्हें जिन्हें कड़क सिंह के नाम से भी जाना जाता है। वह रेट्रोग्रेड एम्नेसिया नामक स्मृति स्थिति से पीड़ित है। कहानी तब दिलचस्प हो जाती है, जब एके अस्पताल में पहुंच जाता है और अपने अतीत के बारे में जनता है। यह पता लगाने के लिए कि क्या सच है, वह अपनी यादों में खो जाता है। कड़क सिंह सारी स्थित समझने की कोशिश करता है कि कैसे वह अस्पताल पहुंचा और एक बड़े अपराध में शामिल हो गया। हर समय, वह अपने परिवार को टूटने से बचाने की कोशिश कर रहा है।

आठ दिसंबर को रिलीज होगी फिल्म

कड़क सिंह एक ऐसे पिता की कहानी है, जो अपनी बेटी को भूल जाता है। वहीं बात करें फिल्म की रिलीज के बारे में तो फिल्म में पंकज त्रिपाठी की फिल्म आठ दिसंबर 2023 को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी-5 पर रिलीज होगी।

कॉमेडी और लव स्टोरी फिल्मों में काम करने को बेकरार हैं सेलिना जेटली

सेलिना जेटली हाल ही में अपने करियर और इंडस्ट्री में कमबैक को लेकर बात करती नजर आईं। इस दौरान उन्होंने कॉमेडी और लव स्टोरीज पर आधारित फिल्मों में काम करने की इच्छा जाहिर की।

हाल ही में एक मीडिया वेबसाइट के साथ बातचीत के दौरान सेलिना ने अपनी अभिनय यात्रा पर बात की। सेलिना जेटली ने अभिनय की दुनिया में वापसी को लेकर भी बात की और इस पर खुशी जाहिर की। अभिनेत्री ने कहा कि कोविड लॉकडाउन के बीच भी उनकी शॉर्ट फिल्म सीजन्स ग्रीटिंग्स की सफलता ने उन्हें वापसी के लिए प्रेरित किया है। सेलिना ने आगे कहा कि उन्होंने कभी अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में फिल्मफेयर पुरस्कार की कल्पना नहीं की थी, लेकिन सीजन्स ग्रीटिंग्स ने उन्हें यह मौका दिया। बता दें कि सीजन्स ग्रीटिंग्स के लिए सेलिना को कैलिफोर्निया में 9वें सर्वश्रेष्ठ शॉर्ट्स फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कृत किया गया था।

बातचीत के दौरान सेलिना ने बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में अलग हटकर और अपरंपरागत स्क्रिप्ट की कमी पर भी चिंता जाहिर की। सेलिना का कहना है कि कॉमेडी और लव स्टोरी वाली ऐसी स्क्रिप्ट नहीं हैं, जो अलग हटकर हों और शानदार हों। अभिनेत्री ने कहा कि अधिकांश स्क्रिप्ट्स में क्राइम और हिंसा का बोलबाला है। वह कॉमेडी फिल्मों के जरिए लोगों को हंसाना चाहती हैं और लव स्टोरीज के जरिए दिलों की धड़कन बढ़ाना चाहती हैं।

अजब-गजब | दुनिया का सबसे अनोखा गांव

यहां 90 साल से कपड़े नहीं पहनते हैं लोग

दुनिया में कई रहस्यमयी और अनोखी जगहें हैं। यह स्थान अजीबगरीब वजहों के कारण पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। इनमें कई जगहें अजीब खानपान, कुछ अपने रहन सहन के लिए जानी जाती हैं। आज हम आपको एक ऐसी ही अनोखी जगह के बारे में बताएंगे, जिसके बारे में जानकर आप हैरत में पड़ जाएंगे। आमतौर पर लोग कहीं बाहर जाते हैं या घर पर भी रहते हैं, तो कपड़े पहनकर ही रहते हैं। हालांकि, दुनिया में एक ऐसा गांव है, जहां पर एक अजीबोगरीब नियम का पालन किया जाता है। इस गांव के लोग 90 साल से इस अनोखे नियम का पालन कर रहे हैं।

दरअसल, ब्रिटेन में यह अनोखा स्थित है। यहां पर बीते 90 सालों से 90 सालों कपड़ा नहीं पहनते हैं यानी बिना कपड़े के ही रहते हैं। अब आपको यह जानकर यकीन नहीं हो रहा होगा, लेकिन यह पूरी तरह से सच है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के इस गांव में लोग 90 साल से बिना कपड़ा के रह रहे हैं। ऐसा नहीं है कि इस गांव के लोग गरीब है। यहां के लोगों के पास दो कमरों का बंगला भी है।

सबसे बड़ी बात यह है कि इस गांव में रहने वाले लोगों के पास सभी तरह की सुविधाए है, लेकिन यहां के लोग मान्यताओं और परंपराओं की वजह से कपड़ा नहीं पहनते हैं। ब्रिटेन के हर्टफोर्डशायर में यह गांव स्थित है जिसका नाम स्पीलप्लाट्ज है। इस गांव में बच्चों से लेकर बूढ़ों तक कोई भी कपड़ा नहीं पहनता है। स्पीलप्लाट्ज का जर्मन में मतलब होता है खेल का मैदान। हर्टफोर्डशायर में मौजूद यह अनोखा गांव ब्रिटेन की सबसे पुरानी कॉलोनियों में शामिल है। इस गांव में खूबसूरत मकान, स्विमिंग पूल और लोगों को पीने के लिए बीयर भी मिलती है। कहा जाता है कि 90 साल से अधिक समय से लोग इस अनोखे गांव में इसी तरह रह रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्पीलप्लाट्ज गांव में रहने वाले 82 वर्षीय इसेल्ट रिचर्डसन के पिता द्वारा साल 1929 में इस समुदाय की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा कि प्रकृतिवादियों और सड़क पर रहे लोगों में कोई अंतर नहीं है। इस गांव की अनोखी परंपरा पर दुनियाभर के कई लोग डॉक्यूमेंट्री और शॉर्ट फिल्में बना चुके हैं। इस गांव में पोस्टमैन और सुपरमार्केट से सामानों की डिलीवरी करने के लिए लोग आते रहते हैं।

बारिश में अनोखा डांस करता है ये पक्षी शिकार बनने के लिए खिंचे चले आते हैं कीड़े

गल्स सबसे बुद्धिमान पक्षियों में से हैं. जिस तरह से प्रत्येक जीव के भोजन और शिकार करने का एक दिलचस्प तरीका होता है, वैसा ही कुछ इस पक्षी के साथ है। ये बारिश में डांस करके सतह पर खास आवाज (कंपन) पैदा करते हैं। यह बिल्कुल 'रेन डांस' करने जैसा होता है। इनके द्वारा ऐसा करने की जो वजह है, वो आपको चकित कर देगी। अब इसका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें आप इसकी चालाकी देखकर हैरान होंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पहले ट्विटर) पर इस बर्ड का वीडियो @gunsnrosesgirl3 ने पोस्ट किया है, जिसमें आप देख सकते हैं कि कैसे ये पक्षी डांस करते हुए दिखता है। 22 नवंबर को पोस्ट किए गए, इस वीडियो को अब तक एक लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। बड़ी संख्या में लोगों ने उस पर कमेंट्स भी किए हैं, जिनमें लोगों ने भी इस चिड़िया के डांस की तारीफ की है। वीडियो की शुरुआत, एक पानी भरी जगह पर सफेद रंग वाले गल बर्ड से होती है। जिसमें वह तेजी के साथ जमीन पर अपने पैर पटकते हुए दिखता है। अपनी बुद्धिमानी के लिए जाने वाले इस पक्षी को पता है कि जब मिट्टी नम होती है, तब सतह पर कंपन (ध्वनि) पैदा करने से कीड़े सतह पर आ जाते हैं। इनके इस व्यवहार को वॉर्म चार्मिंग कहा जाता है। यानी इसके डांस करने की वजह से कीड़े शिकार होने को खींचे चले आते हैं। वीडियो में ऐसा करने के बाद ये पक्षी कीड़ों को खाते हुए दिखता है। पेट से जुड़ी हर समस्या जैसे कब्ज़, गैस की समस्या, खट्टी डकार , एसिडिटी, आदि का शर्तिया इलाज नहीं तो पूरे पैसे वापस!! गल बर्ड को सीगल के नाम से भी जाना जाता है। ये पक्षी मीडिया आकार के होते हैं, जिनकी लंबी, मोटी चोंच और जाल वाले पैर होते हैं। ये आमतौर पर सफेद या भूरे रंग की होती हैं। इनके पंखों या सिर पर काले निशान होते हैं। इसे सबसे बुद्धिमान पक्षियों में से एक माना जाता है, जो पूरे यूरोप में पाया जाने वाला पक्षी है। गल बर्ड कीड़ों, मछलियों, सरीसृपों, उभयचरों, पक्षियों और उनके अंडों को खाती हैं।

उपराष्ट्रपति ने पार की अपनी सारी हदें : मणिकम टैगोर

» मोदी की महात्मा गांधी से तुलना पर भड़की कांग्रेस

» बोले- चापलूसी की एक सीमा, शर्मनाक है बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की महात्मा गांधी से तुलना को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाते उनकी कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने उपराष्ट्रपति के बयान की निंदा की है। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति ने सभी हदें पार कर दी हैं।

दरअसल, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सोमवार को महाराष्ट्र के मुंबई के ओपेरा हाउस में श्रीमद राजचंद्र की जयंती समारोह में शिरकत करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी की तुलना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से कर दी। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि मैं आपको एक बात कहना चाहूंगा, पिछली शताब्दी के महापुरुष महात्मा गांधी थे, इस शताब्दी के युगपुरुष नरेंद्र मोदी हैं। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा से हमें अंग्रेजों की गुलामी से छुटकारा दिलाया, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को प्रगति के उस रास्ते पर डाल दिया है, जिस पर हम सदैव देखना चाहते थे। मैं आपको एक बात कहना चाहूंगा, पिछली शताब्दी के महापुरुष महात्मा गांधी थे, इस शताब्दी के युगपुरुष नरेंद्र मोदी हैं! महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा से हमें अंग्रेजों की गुलामी से छुटकारा दिलाया, भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश को प्रगति के उस रास्ते पर डाला। हालांकि, उपराष्ट्रपति के इस बयान पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने पलटवार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- चापलूसी की एक सीमा होती है, उन्होंने सभी हदें पार कर दी हैं। अगर आप प्रधानमंत्री मोदी की तुलना महात्मा गांधी से करते हैं तो यह शर्मनाक है।

संसद में अपशब्द इस्तेमाल करने की छूट देना क्या : दानिश अली

वहीं, बसपा सांसद दानिश अली ने भी उपराष्ट्रपति के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि आज उपराष्ट्रपति ने कहा पिछली शताब्दी के महापुरुष महात्मा गांधी थे, इस शताब्दी के युगपुरुष नरेंद्र मोदी हैं। मैं उपराष्ट्रपति से पूछना चाहूंगा की संसद में प्रधानमंत्री के ही दल के सांसद द्वारा एक समुदाय विशेष को अपशब्द इस्तेमाल करने की छूट दे कर किस नये युग की शुरुआत की गई है।

प्रभाकरण की तारीफ ठीक नहीं : चिदंबरम

डीएमके सांसद के बयान से बिफरी कांग्रेस तेलंगाना चुनाव की सरगर्मी के बीच द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के सांसद थमिझाची

थंगापांडियन के एक वीडियो ने अपनी पार्टी के साथ-साथ कांग्रेस की भी परेशानी बढ़ा दी है। इसमें वह लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) प्रमुख वी प्रभाकरन की प्रशंसा करती दिख रहीं हैं, हालांकि कांग्रेस ने इसकी आलोचना की है और इससे किनारा किया है। कांग्रेस के सांसद कार्ति चिदंबरम ने सोमवार को एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में लिखा, प्रभाकरन की प्रशंसा करना ठीक नहीं है। 17 तमिलों के साथ राजीव गांधी की नृशंस हत्या पर पर्दा डालना स्वीकार्य नहीं है, प्रभाकरन, वीरप्पन, तमिल राष्ट्रवाद व हिंदुत्व राष्ट्रवाद की तरह ही हाशिए पर है।

कोहरे से पटने लगा प्रदेश

विजिबिलिटी बेहद कम, ट्रेन और विमानों की रफ्तार थमी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मंगलवार की सुबह से अवध क्षेत्र सहित पूरा यूपी घने कोहरे की चादर में लिपटा नजर आया। देर रात से शुरू हुआ कोहरा सुबह होने तक और घना हो गया। विजिबिलिटी कम होने से ट्रेन और सड़क दोनों की रफ्तार पर इसका असर पड़ा।

घने कोहरे के साथ-साथ ठिठुरन भी बढ़ गई। एक दिन पहले तक गुलाबी ठंड का एहसास देने वाले मौसम ने एकदम से सर्दी का अहसास कराया। राजधानी लखनऊ सहित आसपास सटे जिलों रायबरेली, बाराबंकी, सीतापुर, सुल्तानपुर, बहराइच के अलावा पश्चिमी यूपी के जिलों में भी कोहरे का असर देखने को मिला। लखनऊ आने वाली कुछ विमानों के कुछ देर से लैंड करने की संभावना जताई गई है। साथ ही इसका असर ट्रेनों की रफ्तार पर भी पड़ा। सड़क पर लोग वाहनों की लाइट जलाकर निकले।

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता का असर

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण प्रदेश का मौसम बदल गया है। इसके कारण प्रदेश के अधिकतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने के आसार हैं। अनुमान है कि पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर हो कर आगे बढ़ने के बाद बादल के छंटने के कारण मौसम शुष्क होगा और पछुआ हवा चलने के आसार हैं। इसके कारण रात के पारे में भी दो से तीन डिग्री तक गिरावट आ सकती है।

थाने में पुलिस की अभद्रता, पति पत्नी के साथ की गई मारपीट

» आजाद अधिकार सेना ने डीजीपी से की शिकायत

» तत्काल एफआईआर व पुलिस कर्मियों के निलंबन की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने डीजीपी, यूपी को वीडियो संदेश तथा अन्य माध्यमों से शिकायत भेज कर अपनी पार्टी के बलिया जिला उपाध्यक्ष सिंहासन चौहान और उनकी पत्नी लीलावती देवी के साथ थाना भीमपुरा, बलिया की पुलिस द्वारा की गई मारपीट एवं अन्य गंभीर आपराधिक कृत्यों के मामले में दोषी पुलिसकर्मियों को तत्काल निलंबित करते हुए उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

उन्होंने कहा है कि कल शाम सिंहासन चौहान अपना एक प्रार्थना पत्र थाने द्वारा रिसीव नहीं किए जाने पर अपनी पत्नी के साथ थाने के बाहर धरने पर बैठे थे, जिस संबंध में अमिताभ ठाकुर ने भी ट्वीट किया था जिसपर अधिकारियों ने समुचित कार्रवाई की बात कही थी। रात्रि लगभग 8:00

बजे सिंहासन चौहान ने उन्हें कहा था कि उनका एफआईआर दर्ज किया जा रहा है, किंतु इसके बाद रात्रि लगभग 11 बजे थाने की पुलिस ने सिंहासन चौहान, उनकी पत्नी लीलावती देवी, भतीजे आदर्श चौहान और भाई सत्यवान चौहान के साथ मारपीट शुरू कर दी, उनकी पत्नी और उन्हें बुरी तरह मारा पीटा गया, उनकी पत्नी को थाने में घसीटा गया और सिंहासन चौहान के विरुद्ध कोई फर्जी कार्यवाही दिखाते हुए उन्हें थाने में बंद कर दिया गया. इस दौरान पुलिस वालों ने अमिताभ ठाकुर और आजाद अधिकार सेना के लिए भी अपशब्द कहे। उसके बाद उनकी पत्नी को जबरदस्ती थाने की जीप से लाकर उनके गांव छोड़कर छोड़ा गया। अमिताभ ठाकुर ने डीजीपी से कहा कि यदि इस मामले में आज शाम तक दोषी पुलिस कर्मियों का निलंबन और एफआईआर दर्ज नहीं होता है तो उनकी पार्टी इस संबंध में सक्षम फोरम पर समस्त आवश्यक कार्रवाई करेगी किंतु वे यह मानेंगे कि डीजीपी द्वारा जानबूझकर मामले में कार्रवाई नहीं कराई गई।

ए प्लस प्लस ग्रेड मिलना गौरव का विषय : प्रो.पाठक

» छत्रपति शाहूजी महाराज विवि के कुलपति ने गिनाईं उपलब्धियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिन-निश्चित ही यह मेरे जीवन के लिए यादगार बन गया। बतौर कुलपति छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय को नैक में ए प्लस प्लस ग्रेड मिलना गौरवांवित करने वाला है। लेकिन यह सफर आसान नहीं था। न केवल मैंने बल्कि विवि की पूरी टीम यहां तक की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने इस मंजिल को पाने में दिन रात मेहनत की। कुलपति की कुर्सी संभाली तो निसंदेह मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि रही। खुद कानपुर से होने के नाते इस विश्वविद्यालय का नेतृत्व करना गौरव का अनुभव था।

साल 2021 में कार्यभार ग्रहण किया तो कोरोना के बाद देश और विश्वविद्यालय नई उम्मीद की ओर देख रहा था। डिजिटल की ओर बढ़ रहे देश के साथ विवि ने भी कदमताल मिलाई और शुरुआत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ की। प्रवेश, परिणाम, कापियों के मूल्यांकन को ऑनलाइन मोड पर लाया गया। देश में लागू नई शिक्षा नीति को प्रदेश में लागू करने वाला विवि पहला संस्थान बना। हालांकि सालों से चले आ रहे शिक्षा के पैर्टन को बदलने में काफी समस्या थी।

कई लोगों ने विरोध किया, लेकिन धीरे धीरे सभी इस पर सहमत हो गए। विश्वविद्यालय में नए-नए कोर्सों का सृजन किया रोजगार परख पाठ्यक्रम मुख्य विशेषताएं रहे। स्टूडेंट के साथ बेहतर समन्वय बने उनकी मेंटल मेंटरशिप प्रोग्राम को बढ़ाया गया।

नवाचार की दिशा में बदलाव लाना काफी जरूरी

नवाचार की दिशा में बदलाव लाना काफी जरूरी था। नवाचार में काफी पिछड़ रहे थे। विश्वविद्यालय में रिसर्च के लिए सभी संसाधन उपलब्ध कराए गए। भारत सरकार से पहली बार विश्वविद्यालय में फर्स्ट के प्रोग्राम के तहत ग्रांट मिलने शुरू हुई। साथ ही फैकल्टी को कैंपस में पीएचडी करने की सुविधा भी प्रदान की गई। अनुसंधान के दिशा में बेहतर प्रयासों के लिए अच्छे इंपैक्ट फैक्टर के जनरल्स में रिसर्च पेपर पब्लिश हो ऐसा भी माहौल बनाया गया। विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों को उनके संस्थान से जोड़ते हुए हर दिन कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

कबाड़ से कमाल स्टूडेंट इंटर्नशिप प्रोग्राम

बेहतर एकेडमिक माहौल के चलते पिछले वर्षों की तुलना में 2023 प्रवेश में विश्वविद्यालय ने 2000 से अधिक छात्र-छात्राओं को अपने यहां अध्ययन कार्य में शामिल किया है। फेसलेस टेक्नोलॉजी कबाड़ से कमाल स्टूडेंट इंटर्नशिप प्रोग्राम भी आयोजित किए गए। सामाजिक सारोकार के चलते गरीब परिवारों के बच्चों को मुक्त शिक्षा टीवी पेशेंट को गोद लेना आंगनबाड़ी केद्रो का सुदृढ़ीकरण में विवि ने अपलना योगदान दिया। ग्राम चौपाल पॉलीक्लिनिक आयुर्वेद से संबंधित चिकित्सा व्यवस्था विश्वविद्यालय में हो ऐसा भी माहौल बनाया गया। स्टूडेंट को अब डिग्री लेने के लिए विश्वविद्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। मार्कशीट माइग्रेशन से लेकर सभी काम एक सिंगल क्लिक पर उपलब्ध है।इन सब कार्यों, टीम के सहयोग से ही इस ऐतिहासिक पल के सभी साक्षी बन गए।

शुभमन गिल होंगे गुजरात टाइटंस के कप्तान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। हार्दिक पांड्या ट्रेडिंग विंडो के जरिए गुजरात से मुंबई इंडियंस में लौट गए हैं। इसी के साथ गुजरात ने भी अपने नए कप्तान की नियुक्त कर दी है। टीम ने सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को अपना नया कप्तान बनाया है।गुजरात टाइंटस ने अपने नए कप्तान के नाम की घोषणा कर दी है। हार्दिक पांड्या ट्रेडिंग विंडो के जरिए गुजरात से मुंबई इंडियंस में लौट गए हैं। सोमवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है। इसी के साथ गुजरात ने भी अपने नए कप्तान की नियुक्त कर दी है। टीम ने सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को अपना नया कप्तान बनाया है।

» फ्रेंचाइजी ने किया ऐलान

गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा कि, शुभमन गिल ने पिछले दो सालों में खेल के उच्चतम स्तर में

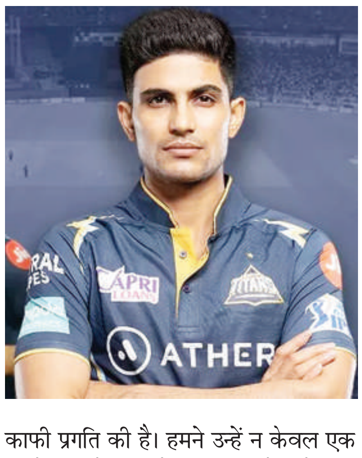

काफी प्रगति की है। हमने उन्हें न केवल एक बल्लेबाज के रूप में बल्कि क्रिकेट में एक लीडर के रूप में भी परिपक्व होते देखा है। मैदान पर उनके योगदान ने गुजरात टाइटंस को एक मजबूत ताकत के रूप में उभरने में मदद की है। उनकी परिपक्वता और स्किल ऑन फील्ड प्रदर्शन में स्पष्ट तौर पर दिखता है। हम उन्हें कप्तान बनाने को लेकर उत्साहित हैं। शुभमन गिल आईपीएल 2023 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे उन्होंने ऑरेंज कैप भी अपने नाम की। गिल ने 17 मैचों में 59.33 की औसत से 890 रन बनाए थे।

हार्दिक पांड्या की मुंबई इंडियंस में वापसी

आईपीएल 2024 से पहले हार्दिक पांड्या की मुंबई इंडियंस में वापसी हो गई है। मुंबई इंडियंस ने को इसकी घोषणा की है। इससे पहले उन्होंने दो साल तक गुजरात टाइटंस की कमान संभाली थी। हार्दिक पांड्या की आईपीएल 2024 से पहले मुंबई इंडियंस में वापसी हो गई है। मुंबई इंडियंस ने सोमवार को इसकी घोषणा की है। पिछले दो सीजन से गुजरात टाइंटस के कप्तान रहे पांड्या की मुंबई इंडियंस की वापसी को लेकर कई समय से चर्चा चल रही थी। जिस पर अब मुंबई इंडियंस ने अपनी मुहर लगा दी है। आईपीएल रिटेंशन लिस्ट के आखिरी दिन यानी 26 नवंबर को गुजरात टाइटंस ने हार्दिक पांड्या को अपने रिटेन खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल किया था। लेकिन उसके बाद हार्दिक के मुंबई से जुड़ी खबरें सामने आ रही थीं। अब मुंबई इंडियंस ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि करते हुए हार्दिक के फिर से उसके साथ जुड़ने की खबरों पर मुहर लगा दी है।

फोटो : सुमित कुमार

यूपी विधानसभा का शीतकालीन सत्र यूपी विधानमंडल का चार दिवसीय सत्र आज मंगलवार से शुरू हो गया है। पहले दिन सत्र में भाग लेने जाते नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना, कांग्रेस की विधायक आराधना मिश्रा मोना, भाजपा की अनुपमा जायसवाल, सपा के अवधेश प्रसाद व बसपा के उमाशंकर सिंह।

बड़ी बाधा नहीं आई तो श्रमिक आज आ सकते हैं बाहर

मैनुअल खोदाई से टनल में पहुंचने का प्रयास जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 17 दिनों के बाद उत्तराखंड की सुरंग में 16 दिन से फंसे 41 मजदूरों के बाहर निकलने की आस जगी है। उनको बाहर निकालने का काम तेजी से किया जा रहा है। अमेरिकी ऑगर मशीन फेल होने के बाद अब मैनुअली ड्रिलिंग का काम किया जा रहा है। सिलक्यारा सुरंग से एक राहत देने की वाली खबर सामने आई है। अंदर फंसे मजदूरों और रेस्क्यू टीम के बीच अब सिर्फ 5 मीटर की दूरी बची है। कहा जा रहा है कि अगर कोई बड़ी बाधा ने रास्ता नहीं रोका तो सभी मजदूर जल्द ही सुरंग से बाहर आ जाएंगे।

रैट माइनर्स मलबे की खुदाई में जी जान से जुटे हुए हैं। मैनुअल ड्रिलिंग के लिए 3 टीमें बनाई गई हैं। 12, 7 और 5 सदस्यों की ये टीमें अपने काम में जुटी हुई हैं, उधर वर्टिकल ड्रिलिंग का काम भी तेजी से चल रहा है। सुरंग में मैनुअल ड्रिलिंग का काम सोमवार से शुरू किया गया। शुरुआती ड्रिलिंग का काम अमेकरिकी ऑगर मशीन से किया जा रहा था लेकिन शुक्रवार को वह मलबे में फंस गई थी, जिससे अधिकारियों को वैकल्पिक तरीकों की तलाश करना पड़ा। ड्रिलिंग का काम करीब 40 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

इस तरह होगी रैट माइनिंग

संकरी जगह पर हाथों से खुदाई करने को रैट माइनिंग कहा जाता है, क्यों कि कम जगह में इंसान धीरे-धारे खुदाई करते हैं, इसलिए इसे रैट माइनिंग कहते हैं। इस तरह की जगह पर मशीनें और अन्य भारी उपकरण ले जाना संभव नहीं होता. इसका इस्तेमाल कोयला और अन्य खदानों में किया जाता है। मैनुअली खुदाई करने के लिए पहले दो लोग पाइपलाइन में जाते हैं। एक आगे का रास्ता बनाता है और दूसरा मलबे को ट्रॉली में भरता है। चार लोग मलबे की ट्रॉली को बाहर खींचते हैं। पहली टीम जब थक जाती है तो दूसरी टीम काम को आगे बढ़ाती है।

पीएम मोदी ने की मजदूरों के लिए प्रार्थना की अपील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरंग में फंसे मजदूरों के लिए प्रार्थना करने की अपील देश की जनता से की है। वहीं रैट माइनर्स भी मुस्तैदी से अपने काम में जुटे हुए हैं। पीएम मोदी ने तेलंगाना में कहा, आज जब हम देवी-देवताओं से प्रार्थना कर रहे हैं, मानवता के कल्याण की बात कर रहे हैं, तो हमें अपनी प्रार्थना में उन श्रमिक भाईयों को भी स्थान देना है, जो बीते करीब दो सप्ताह से उत्तराखंड की एक टनल में फंसे हुए हैं।

परिजनों को तैयार रहने को कहा गया

फंसे हुए मजदूरों के परिजनों को तैयार रहने और मजदूरों के कपड़े और बैग तैयार रखने को कहा गया है। अधिकारियों के मुताबिक, मजदूरों को रेस्क्यू कर बाहर निकालने के बाद चिन्यालीसौड़ अस्पताल ले जाया जाएगा। फंसे हुए मजदूरों को निकालने के लिए चल रहे बचाव अभियान के बीच, उत्तराखंड में बारिश का येलो अलर्ट भी जारी किया गया है।

बारिश की भी संभावना

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पहाड़ी राज्य के कई इलाकों में आज बारिश होने की संभावना है। बचाव अभियान 17वें दिन पर पहुंच गया है, अमेरिकी ऑगर मशीन से मलबा हटाने के बाद मैनुअल ड्रिलिंग जारी है।

राहुल को अपने बीच पाकर चहक उठे गिग वर्कर्स के चेहरे

» हैदराबाद में दिखा राहुल गांधी का नया अंदाज

» पहले पूछा हालचाल फिर की ऑटो की सवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। राहुल ने कहा कि राजस्थान में हमने गिग वर्कर्स की एक कैटेगरी बनाई है। उसमें जब भी कोई आर्डर आता है, उसका कुछ पैसा कंपनी की ओर से आपकी सोशल सिक्योरिटी जैसे- इंश्योरेंस, पेंशन में चला जाता है। उसी तरह तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनने के बाद आपकी बातचीत यहां के मुख्यमंत्री और कैबिनेट के साथ कराएंगे और आपकी समस्या का हल निकालेंगे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार, 28 नवंबर को तेलंगाना में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन हैदराबाद के जुबली हिल्स में ऑटो की सवारी की। सवारी लेने से पहले कांग्रेस नेता ऑटो चालक की वर्दी पहनकर ऑटो चालकों के बीच बैठे और उनके साथ सेल्फी ली। बाद में वह ऑटो के किनारे चल रहे सुरक्षाकर्मियों के साथ सवारी के लिए ऑटो में चढ़ गया। इस दृश्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। ऑटो की सवारी से पहले, कांग्रेस नेता ने मंगलवार को हैदराबाद में स्वच्छता और गिग श्रमिकों से बात की और कहा, अगर कांग्रेस तेलंगाना में सत्ता में आती है, तो वह राजस्थान में हाल ही में पारित कानून की तर्ज पर गिग श्रमिकों के कल्याण के लिए कानून लाने पर विचार करेगी।

फोटो : 4पीएम

भर्ती आर्मी कैंट एमसी ग्राउंड में महिला अग्निवीर भर्ती में भाग लेती महिलायें।

मुंबई में ट्रेनी अग्निवीर युवती ने की आत्महत्या

» नौसेना में कर रही थी ट्रेनिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई में नौसेना की ट्रेनी अग्निवीर युवती की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार को कहा कि नौसेना में ट्रेनिंग ले रही 20 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

आईएनएस हमला पर ट्रेनिंग ले रही थी युवती। मुंबई पुलिस के हवाले से बताया कि मृतका की पहचान अपर्णा नायर के रूप में हुई है। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना तब हुई, जब अपर्णा भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस हमला में ट्रेनिंग ले रही थी। इसी दौरान उसने सुसाइड कर लिया। अधिकारी ने बताया कि युवती केरल की रहने वाली है, जो मलाड के मालवानी इलाके में आईएनएस हमला में ट्रेनिंग ले रही थी।

डीएमके मंत्री बालाजी को नहीं मिली राहत

» सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल जमानत देने से किया इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए गए डीएमके मंत्री वी सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

बालाजी मेडिकल आधार पर जमानत की मांग कर रहे थे। शीर्ष अदालत, मद्रास उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसने 19 अक्टूबर को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इस याचिका में कहा गया था कि अगर उन्हें जमानत दी गई, तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की शीर्ष अदालत की पीठ ने स्वास्थ्य रिपोर्टों पर गौर करने के बाद कहा कि उनकी स्वास्थ्य स्थिति में कुछ भी गंभीर नहीं है। साथ ही, बालाजी को नियमित जमानत लेने के लिए ट्रायल कोर्ट से संपर्क करने की छूट दी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।